

हरिभूमि रायपुर मूवि

रायपुर, मंगलवार 5 मई 2026

शुभम के मार्ट®

शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके!

भव्य शुभारम्भ



5 मई

मंगलवार, 2026

प्रातः 10:00 बजे से

शांति सरोवर के सामने, सड़ू मेन रोड, रायपुर

शुभम के मार्ट- 35 प्रोडक्ट्स की मेगा डील्स!

 लूज चीनी (शक्कर) 1 KG शुभम मूल्य ₹44	 लूज तूर दाल राजभोग 1 KG शुभम मूल्य ₹109	 लूज फली दाना सफेद 1 KG शुभम मूल्य ₹144	 लूज चावल अब्बा हुजूर 1 KG शुभम मूल्य ₹56	 आशीर्वाद चक्की आटा 5 KG शुभम मूल्य ₹237 MRP ₹263
 लूज आटा 1 KG शुभम मूल्य ₹28	 बादाम 500 GM शुभम मूल्य ₹449 MRP ₹550	 काजू (W320) 500 GM शुभम मूल्य ₹499 MRP ₹800	 किशमिश 500 GM शुभम मूल्य ₹249 MRP ₹450	 वचन देसी घी 1 LTR शुभम मूल्य ₹699 MRP ₹799
 GBM सूजी/मैदा/बेसन 500GM शुभम मूल्य ₹25 MRP ₹30/₹27/₹70	 हरेली शुभम मूल्य ₹122	 लूज चना दाल 1 KG शुभम मूल्य ₹71	 लूज पोहा 1 KG शुभम मूल्य ₹47	 कोल्डड्रिंक 2.25 LTR शुभम मूल्य ₹63 MRP ₹100
 टाटा नमक 1 KG शुभम मूल्य ₹26 MRP ₹30	 बीकाजी बीकानेरी भुजिया 1 KG शुभम मूल्य ₹199 MRP ₹330	 कीर्ती गोल्ड सोया तेल 1 LTR शुभम मूल्य ₹153	 टाटा टी अग्नि 1 KG शुभम मूल्य ₹165 MRP ₹200	 फ्रूट मैजिक जूस (सभी रेंज) शुभम मूल्य ₹99 MRP ₹99
 ब्रिटानिया मैरी गोल्ड 1.05 KG शुभम मूल्य ₹109 MRP ₹145	 ब्रिटानिया न्यूट्री चॉइस 960 GM शुभम मूल्य ₹118 MRP ₹198	 ब्रिटानिया गुड डे काजू कुकीज 526 GM शुभम मूल्य ₹60 MRP ₹120	 ब्रिटानिया मिल्क बिकिस बिस्कुट 710 GM शुभम मूल्य ₹72 MRP ₹112	 रेड बुल एनर्जी ड्रिंक 250 ML शुभम मूल्य ₹95 MRP ₹125
 कुकी बाइट नायिल बिस्कुट 1 KG शुभम मूल्य ₹99 MRP ₹200	 पलश ऑन टॉयलेट क्लीनर 1 LTR शुभम मूल्य ₹69 MRP ₹150	 कम्फर्ट फैब्रिक 860 ML शुभम मूल्य ₹169 MRP ₹235	 रिन बड़ा बार 6*250 GM शुभम मूल्य ₹129 MRP ₹155	 लिटिल डायपर (सभी रेंज) शुभम मूल्य ₹99 MRP ₹199
 शिमर लिक्विड डिटर्जेंट 5 LTR शुभम मूल्य ₹249 MRP ₹650	 सर्फ एक्सेल ईजी वॉश 7 KG शुभम मूल्य ₹699 MRP ₹1030	 सर्फ एक्सेल मैटिक 6 LTR शुभम मूल्य ₹699 MRP ₹1095	 सफारी 55/66/76 4W. शुभम मूल्य ₹5799 MRP ₹24000	 सेलो इंफ्रारेड कुकटॉप 2200 वाट शुभम मूल्य ₹3299 MRP ₹4995

यह ऑफर शुभम के मार्ट के सभी स्टोर पर लागू है

Value Fashion by
**NEO
MO**

NEOMO फैशन डील्स!

 MENS T-SHIRT STARTING@ ₹99	 MENS JEANS STARTING@ ₹450	 MENS TROUSER STARTING@ ₹349
 MENS BERMUDA STARTING@ ₹149	 MENS SHIRT STARTING@ ₹299	 MENS LOWER STARTING@ ₹199
 KIDS T-SHIRT STARTING@ ₹99	 KIDS BERMUDA STARTING@ ₹149	 KIDS CORD SET STARTING@ ₹249
 KIDS BABA SUIT STARTING@ ₹199	 LADIES T-SHIRT STARTING@ ₹99	 LADIES CORD SET STARTING@ ₹399
 LADIES PLAZO STARTING@ ₹249	 LADIES NIGHTY STARTING@ ₹225	 WOMEN SAREE STARTING@ ₹249

OUR BRANCH : NEO MO, 2ND FLOOR, KOLORS MALL, RAIPUR

रायपुर स्टोर: संतोषी नगर | पंडरी | पुरानी बस्ती | श्रीनगर | कोटा | सरोना | कमलविहार | देवेन्द्र नगर | चंगोराभाठा | भाठागांव | अश्विनी नगर | बिरगांव
सराईपाली | जुनवानी, भिलाई | पलारी | राजनांदगांव | भाटापारा | धमतरी | जैजैपुर | अंजोरा | नवापारा राजिम | बालोद | खैरागढ़
बेमेतरा | पाटन | बेरला | खरियार रोड | अकलतरा | पोटिया रोड, दुर्ग | अभनपुर | कवर्धा | उतई | शिवरीनारायण | सिमगा

कस्टमर केयर
हेल्पलाइन नंबर: 91091 99110

नियम एवं शर्तें लागू: सभी ऑफर सूचना के बिना बदलाव के अधीन हैं। ऑफर स्टॉक रहने तक। दिखाये गए उत्पादों के ग्राफिक्स केवल सांकेतिक मात्र हैं।
ऑफर स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं। सभी मदभेद केवल रायपुर अदालत के अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं। सभी क्रेडिट, डेबिट एवं यूपीआई से भुगतान स्वीकार किये जाते हैं।

FOLLOW US ON:

• छत्तीसगढ़ • राजस्थान • गुजरात • ओडिशा

shubhamkmartofficial

Shubham K Mart

@shubhamkmart2926

माने पर हो रहा है। राज्य में चलते नदियों का स्वरूप है कि प्रदेश में 99 प्रतिशत जिससे न केवल राजस्व नदियों की प्राकृतिक धाराों तरह प्रभावित हो रहा है। शासन द्वारा औपचारिकता कार्रवाई की जाती है।

सीएस का आदेश- हर जिला अस्पताल में बने 10 बिस्तरों वाला नशामुक्ति केंद्र

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने कहा है कि नशाखोरी से प्रभावित व्यक्तियों के उद्धार के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला अस्पताल में न्यूनतम 10 बिस्तरों वाला नशा मुक्ति केंद्र अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। आवश्यकतानुसार जिलों में नए नशा मुक्ति केंद्रों का संचालन शुरू किया जाए।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। पुनर्वास और सहायता के लिए जारी टोल-फ्री

हेल्पलाइन नंबर (1333) का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो। सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की दूसरी तिमाही की बैठक में उन्होंने विभिन्न एजेंसियों द्वारा की गई कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने यह बात कही है। उन्होंने राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी और नशाखोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अधिकारियों को सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अप्रैम की अवैध खेती और ड्रम्स के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।



निगरानी और तस्करी पर अंकुश

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए पुलिस, डाक विभाग और निजी कूरियर सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने परिवहन और कूरियर सेवाओं पर कड़ी निगरानी रखने तथा तस्करी में उपयोग किए जाने वाले वाहनों को राजसात कर उनकी नीलामी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। साथ ही, अवैध रूप से संचालित केमिकल ड्रग प्रयोगशालाओं की पहचान कर उनके विरुद्ध तत्काल छापेमारी और निरीक्षण के निर्देश दिए गए।

शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा

बैठक में युवाओं को बशे की चपेट से बचाने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर के दायरे को ड्रग मुक्त क्षेत्र घोषित कर वहां सघन पैकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने जख्त किए गए मादक पदार्थों के विनिष्टीकरण की प्रक्रिया को भी तेज करने को कहा।

प्रमुख अधिकारी हुए शामिल

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में डीजीपी अरुण देव गौतम, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, गृह सचिव नेहा चम्पावत सहित समाज कल्याण, आबकारी, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी, सभी संभागयुक्त, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सम्मिलित हुु।

खबर संक्षेप

विधायक संगीता बनीं प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव किया गया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने संजारी



बालोद की विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार, संगीता सिन्हा आगामी स्थायी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। संगठन में यह बदलाव आगामी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए किया गया है। संगीता सिन्हा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनने से महिला कांग्रेस में नए सिर से सक्रियता आने की उम्मीद जताई जा रही है।

दीपेश बने आदिवासी कांग्रेस के शहर अध्यक्ष

रायपुर। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की अनुसंधा पर आदिवासी कांग्रेस ने 9 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। नियुक्त किए गए जिलाध्यक्षों में दीपेश कुपाल को रायपुर शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जनक ठाकुर ने जारी आदेश में सभी जिलाध्यक्षों से कहा है, संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पेयजल संकट पर तय हो जवाबदेही



रायपुर। आम आदमी पार्टी ने जिले में पानी की समस्या को लेकर सरकार को घेरा है। आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विजय झा, प्रदेश सचिव अरुणा जोसेफ और अजीम खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, चंगेराभाटा, रायपुरा, मोवा, पंडरी, सक्ति नगर, दलदल सिवनी,सुंदर नगर सहित कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तस्सने को मजबूर हैं। जोन 3 के खम्हारडीह का पूरा इलाका, जहां लगभग 30 हजार लोग रहते हैं वहां 90 प्रतिशत आबादी पेयजल संकट से गुजर रही हैं। जोन-5 के वार्ड 3, वार्ड 67, वार्ड 68 और वार्ड 69 में के साथ जोन 6 के प्रोफेसर कॉलोनी, शिवाजी नगर, पशुराम नगर, मारुति नगर में आधा हिस्सा पानी की कमह से प्रभावित है।

नाम परिवर्तन सूचना	
मैं, श्रीमती मीरा केशवानी पति अभिषेक केशवानी, निवासी केशवानी काम्पलेक्स, गुरुद्वारा रोड, श्याम नगर, तेलीबाड़ा, रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ :-	
1. यह कि, मेरा विवाह दिनांक 20.10.2021 को अभिषेक केशवानी पिता विजय केशवानी के साथ संपन्न हो चुकी है।	
2. यह कि, मैं विवाह पूर्व हेमा गेहो पिता कैलाश कुमार गेहो के नाम से जानी, पहचानी एवं पुकारी जाती थी, तथा यही नाम मेरे समस्त शासकीय एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है।	
3. यह कि, चूंकि मेरा विवाह हो चुका है, इसलिए मैं श्रीमती मीरा केशवानी पति अभिषेक केशवानी के नाम से जानी, पहचानी एवं पुकारी जाती हूं, तथा यही नाम अपने समस्त शासकीय, अदृशासकीय, बैंक, वीमा, निगम, निकाय, शायल्य आदि में दर्ज किये जाने हेतु यह कार्य पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।	
सत्यापन	शपथकर्ता
मैं, उपरोक्त शपथकर्ता सत्यापित करती हूं कि इस शपथ पत्र की कंडिका 1 से 3 तक में लिखी बातें सत्य है, अतः अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।	
दिनांक :- 20.01.2026	मीरा केशवानी शपथकर्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

महिला एवं बाल विकास अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों में कुपोषण दूर करने एवं कुपोषण से बचाव के लिए गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार में हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। इसके बाद भी कई महिलाएं जहां कुपोषित बच्चों को जन्म दे रही हैं, वहीं जो बच्चे कुपोषित हैं, उनकी संहत और वजन में सुधार देखा नहीं जा रहा। रायपुर जिले में वर्ष 2025 में आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों का वजन एवं पोषण स्तर की जांच की गई। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस जांच में गंभीर कुपोषित के लगभग दो हजार बच्चे मिले हैं, वहीं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या भी 15 से 17 हजार के करीब है। हालांकि विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि गंभीर कुपोषित बच्चों में ज्यादातर शून्य से लेकर 6 महीने के बीच के हैं।

एक लाख से ज्यादा बच्चों का वजन मापा गया

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में इस बार भी वजन त्योहार के दौरान एक लाख से अधिक बच्चों का वजन मापा गया। इस दौरान लगभग दो हजार बच्चों का वजन बहुत कम पाया गया, जिसके कारण इन बच्चों को गंभीर कुपोषण की सूची में रखा गया है। इन बच्चों की आयु एक-दो दिन से लेकर लगभग दो वर्ष के बीच की है। हालांकि ज्यादातर कुपोषित बच्चे अधिकतम 6 महीने के बीच के हैं। बताया गया कि इन कुपोषित बच्चों का कुपोषण दूर करने के लिए पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, उपचार आदि नियमित किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द उनका कुपोषण दूर हो सके।

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

महिला एवं बाल विकास अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों में कुपोषण दूर करने एवं कुपोषण से बचाव के लिए गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार में हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। इसके बाद भी कई महिलाएं जहां कुपोषित बच्चों को जन्म दे रही हैं, वहीं जो बच्चे कुपोषित हैं, उनकी संहत और वजन में सुधार देखा नहीं जा रहा। रायपुर जिले में वर्ष 2025 में आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों का वजन एवं पोषण स्तर की जांच की गई। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस जांच में गंभीर कुपोषित के लगभग दो हजार बच्चे मिले हैं, वहीं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या भी 15 से 17 हजार के करीब है। हालांकि विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि गंभीर कुपोषित बच्चों में ज्यादातर शून्य से लेकर 6 महीने के बीच के हैं।

एक लाख से ज्यादा बच्चों का वजन मापा गया

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में इस बार भी वजन त्योहार के दौरान एक लाख से अधिक बच्चों का वजन मापा गया। इस दौरान लगभग दो हजार बच्चों का वजन बहुत कम पाया गया, जिसके कारण इन बच्चों को गंभीर कुपोषण की सूची में रखा गया है। इन बच्चों की आयु एक-दो दिन से लेकर लगभग दो वर्ष के बीच की है। हालांकि ज्यादातर कुपोषित बच्चे अधिकतम 6 महीने के बीच के हैं। बताया गया कि इन कुपोषित बच्चों का कुपोषण दूर करने के लिए पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, उपचार आदि नियमित किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द उनका कुपोषण दूर हो सके।

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

महिला एवं बाल विकास अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों में कुपोषण दूर करने एवं कुपोषण से बचाव के लिए गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार में हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। इसके बाद भी कई महिलाएं जहां कुपोषित बच्चों को जन्म दे रही हैं, वहीं जो बच्चे कुपोषित हैं, उनकी संहत और वजन में सुधार देखा नहीं जा रहा। रायपुर जिले में वर्ष 2025 में आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों का वजन एवं पोषण स्तर की जांच की गई। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस जांच में गंभीर कुपोषित के लगभग दो हजार बच्चे मिले हैं, वहीं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या भी 15 से 17 हजार के करीब है। हालांकि विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि गंभीर कुपोषित बच्चों में ज्यादातर शून्य से लेकर 6 महीने के बीच के हैं।

एक लाख से ज्यादा बच्चों का वजन मापा गया

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में इस बार भी वजन त्योहार के दौरान एक लाख से अधिक बच्चों का वजन मापा गया। इस दौरान लगभग दो हजार बच्चों का वजन बहुत कम पाया गया, जिसके कारण इन बच्चों को गंभीर कुपोषण की सूची में रखा गया है। इन बच्चों की आयु एक-दो दिन से लेकर लगभग दो वर्ष के बीच की है। हालांकि ज्यादातर कुपोषित बच्चे अधिकतम 6 महीने के बीच के हैं। बताया गया कि इन कुपोषित बच्चों का कुपोषण दूर करने के लिए पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, उपचार आदि नियमित किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द उनका कुपोषण दूर हो सके।



	कुल वजन	मध्यम	गंभीर कुपोषित
वर्ष 2022	143252	20600	3662
वर्ष 2023	137808	20185	3081
वर्ष 2024	138589	17613	2651
वर्ष 2025	125000	15-17000	2000

कुपोषण से बचाव के लिए ये किए जा रहे उपाय

कुपोषण से बचाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र में गर्भवती महिला से लेकर कुपोषित बच्चों को समय पर टीका लगाने से लेकर पोष्टिक आहार, स्वास्थ्य की जांच, विटामिन देने सहित अन्य उपाय किए जाते हैं।

राखी सीएचसी बनेगा 100 बेड का सिविल अस्पताल, नवा रायपुर में जमीन की तलाश

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

राखी के पचास बिस्तर के अस्पताल का उन्मय सिविल हास्पिटल के रूप में किया जाएगा। 100 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल के लिए नवा रायपुर में जमीन की तलाश की जा रही है। राखी सिविल हास्पिटल के लिए 18.48 करोड़ की राशि स्वीकृत हो चुकी है। राखी के अलावा सरोना में भी सी बिस्तर का नया अस्पताल तैयार किया जा रहा है।

वर्तमान में राजधानी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, हमर अस्पताल के अलावा सी बेड का पंडरी जिला अस्पताल, कालीबाड़ी में 100 बेड का मातृ शिशु अस्पताल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मौजूद है। इसके अलावा आने



वाले दिनों में सरोना और राखी में सी-सी बेड का नया अस्पताल प्रस्तावित है। सरोना अस्पताल के निर्माण के लिए भूमिपूजन होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। माना जा रहा है कि इस अस्पताल के निर्माण के बाद सरोना के साथ आसपास के लोगों को इलाज के लिए एम्स में लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही शहर के बीच

स्थित हास्पिटलों में भी उनकी निर्भरता खत्म होगी। इसी तरह राखी के पचास बेड के सामुदायिक अस्पताल का उन्मय 100 बेड के सिविल अस्पताल के रूप में किया जाएगा।

राखी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जिस स्थान पर मौजूद है वहां हास्पिटल भवन का विस्तार किया जाना संभव नहीं है। इसलिए राखी सिविल अस्पताल के लिए नए स्थान की तलाश की जा रही है। इसके लिए पूर्व में जंगल सफारी और एक निजी हास्पिटल के आगे जमीन दी गई थी। स्वास्थ्य सुविधा के हिसाब चिन्हित जमीन को अस्पताल बनाने के लिए उपयुक्त नहीं माना गया था। विभागीय असहमति के बाद अब नवा रायपुर में नई जगह की तलाश की जा रही है।

बैज बोले- चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, केरल की जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया। वहां कांग्रेस की सरकार बनेगी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केरलम की जनता को हार्दिक धन्यवाद देती है कि उन्होंने यूडीएफ को भारी बहुमत से सेवा का मौका दिया है। केरलम की जनता ने जो विश्वास हम पर जताया है, हम उस पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा, केरलम को छोड़कर जो अन्य नतीजे आये हैं, वो



कांग्रेस पार्टी की उम्मीदों से कम हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ना निराश है ना हताश। हम विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं। एकतंत्र और झूठ के खिलाफ लोकतंत्र और सच की लड़ाई का रास्ता हमेशा लंबा और कठिन होता है। परंतु हम संकल्प और दृढ़ता से एक होकर आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा, आसाम में चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं आये। पं. बंगाल में भाजपा नहीं चुनाव आयोग चुनाव लड़ रहा था। भाजपा और चुनाव आयोग के गठबंधन देश के प्रजातंत्र के लिये घातक है। वहां चुनावों की निष्पक्षता पर भी संदेह के घरे में है।

बंगाल की जीत पर भाजपा में झालमुड़ी जश्न

भाजपा नेता बोले- तीन राज्यों में भाजपा, एनडीए की ऐतिहासिक जीत नए भारत के संकल्प की विजय



हरिभूमि न्यूज़ ►►► रायपुर

पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रदेश के भाजपा नेताओं ने राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में झालमुड़ी जश्न मनाया। इसी के साथ भाजपा नेताओं ने बंगाल सहित असमय और पुडुचेरी में भाजपा और एनडीए की जीत को नए भारत के संकल्प की विजय बताया है।

भाजपा की बंगाल में जीत को लेकर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित अन्य भाजपा नेताओं ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और एकाम्प परिसर में झालमुड़ी के साथ जीत का जश्न मनाया। भाजपा नेताओं ने राजधानी में कई स्थानों पर झालमुड़ी का वितरण किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली प्रचंड जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और

विकासवाद की जीत बताया है। श्री देव ने पश्चिम बंगाल के नतीजों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार का गठन राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय है।

भाजपा नेताओं ने जीत को बताया ऐतिहासिक

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बंगाल का ऐतिहासिक जनदेश भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान राष्ट्रभक्त अमर बलिदानों डॉं श्यामाप्रसाद मुखर्जी को पश्चिम बंगाल की पावन धरा की ओर से दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी प्रकार असम में लगातार तीसरी बार भाजपा की सत्ता में वापसी यह दर्शाती है कि पूर्वोत्तर में शांति और विकास की राजनीति ने विभाजनकारी ताकतों को जड़ से मिटा दिया है। पुडुचेरी में भी भाजपा और एनडीए का शानदार प्रदर्शन प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र की वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, यह जीत तुष्टीकरण और

अराजकता के विरुद्ध राष्ट्रवाद और सुशासन की विजय है। बंगाल से लेकर पूर्वोत्तर तक की जनता ने संदेश दे दिया है कि देश की प्रगति केवल भाजपा के नेतृत्व में ही सुनिश्चित है। भाजपा ने अपनी पारंपरिक हिंदी पार्टी की छवि को तोड़कर पूरब और दक्षिण-पूर्व की ओर जो विस्तार किया है, वह ऐतिहासिक है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉं. सरोज पाण्डेय ने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार का गठन तुष्टीकरण की राजनीति के अंत और विकासवाद की शुरुआत है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेड़ी ने कहा कि इन चुनावी परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत के सुदूर पूर्व और दक्षिण-पूर्व क्षेत्रों में अब राष्ट्रवादी राजनीति मुख्यास्था का हिस्सा बन चुकी है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री यशवन्त जैन, अखिलेश सोनी व डॉं. नवीन मार्कण्डेय ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, सबका साथ-सबका विकास के मंत्र और पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की जीत बताया।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALTY HOSPITAL
PAIN | PANCHAKARMA | PILES | PREGA | GYN&OB | SKIN

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic | Unit of Dr. Abhimanyu's Pain Relief Center
सर्वप्रकार की पिलेस का सबसे बेहतरीन डॉ. इन्द्र कुमार

> रात रात > पुच्छे के दर्द > पीठ व कमर दर्द > रूबिन्डरुडिटिस > लिगामेंट के दर्द
> खड्किरुड > जोफरा एक्सी > प्रोक्ताल रोलोट > शरीर के जकड़न
कार्ड, रूब, मॉन्ट्रिअर डे सभी प्रकार के दर्द का इलाज

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टांकीज के सामने, सभाग कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ☎ 9826446666
9 रोक्टर - 7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) ☎ 95224-66664, 62622-22003

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

लाइव इवेंट

महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने
जेसीआई वामा कैपिटल की नई पहल



रायपुर। महिलाओं को व्यावसायिक क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल द्वारा नई बिजनेस टेबल ‘जेकॉम एल रायपुर 1.0 शक्ति’ का आगाज किया गया। इंद्रावती कॉलोनी स्थित विमतारा हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय ‘व्हेयर वुमन लीड विद स्ट्रेंथ’ रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभावी पैनल डिस्कशन के साथ हुई, जिसका सफल संचालन मॉडरेटर जेसीआई सेन आंचल पंजवानी ने किया। इस चर्चा में शहर के जाने-माने बिजनेस लीडर्स ‘द लोकल’ की को-फाउंडर नम्रता धारीवाल, ‘बीमर फूड एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड’ के को-फाउंडर व डायरेक्टर संदीप सत्यथी और ‘मीनाक्षी सैलून एंड एकेडमी’ की फाउंडर मीनाक्षी टुटेजा ने अपने अनुभव साझा किए। इन विशेषज्ञों ने बिजनेस ग्रोथ, सॉल्यूशंस और आज के दौर में महिला नेतृत्व की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

इस अवसर पर जेकॉम एल रायपुर टेबल की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ। इसमें चेयरपर्सन जेसी स्वाति जलाल, सेक्रेटरी जेसी प्रियंका कहलिया, वाइस चेयरपर्सन जेसी निकिता जैन और ट्रेजरर (कोषाध्यक्ष) जेसी जाह्नवी सिंह के साथ कुल 22 नए सदस्यों ने अपने पद की शपथ ली और महिला बिजनेस कम्युनिटी को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेसीआई इंडिया सीनेट बोर्ड के डायरेक्टर पीपीपी जेएफआर राजेश अगवाल उपस्थित रहे। साथ ही, कौन्सिल स्पीकर व नेशनल चेयरपर्सन जेकॉम जेसीआई सेन अमितेश पाठक, विशेष अतिथि जेसीआई सेन अमिताभ दुबे, जेकॉम जैन चेयरपर्सन जेसी रीना सिन्हा, जेकॉम कोच एचजीएफ मोना दुबे और जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की प्रेसिडेंट जेसी डॉ. धृति वैभव शर्मा की विशेष उपस्थिति रही।

सिटी इवेंट

किड्स इंडिया फैशन फेस्टिवल का समापन
नन्हे सितारों ने रैंप पर बिखेरा जलवा



रायपुर। मैनेटो मॉल में रविवार को यारियां इवेंट्स द्वारा आयोजित ‘किड्स इंडिया फैशन फेस्टिवल’ का ग्रैंड फिनाले संपन्न हुआ। इस समारोह में शहर के प्रतिभावान बच्चों ने अपने स्टाइल, गजब के आत्मविश्वास और शानदार रैंप वॉक से उपस्थित दर्शकों व निर्णायकों का दिल जीत लिया। शो का मुख्य उद्देश्य बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को एक राष्ट्रीय स्तर का मंच

प्रदान करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है। आयोजन के दौरान नन्हे मॉडल्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। विशेषज्ञों द्वारा दी गई ग्रीमिंग और रिहसल का असर मंच पर उनकी प्रस्तुति में साफ झलक रहा था। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों ने शानदार प्रदर्शन के आधार पर तीन अलग-अलग आयु श्रेणियों में विजेताओं के नामों की घोषणा की।

विभिन्न विधाओं में प्रस्तुति

कार्यक्रम में बच्चों ने डांस की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुतियां दीं। इनमें बच्चों के छत्तीसगढ़ी के साथ-साथ कथक और फ्री स्टाइल डांस की प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान खींचा। इस शानदार गैड फिनाले में बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए शहर की कई हस्तियां और फैशन जगत के विशेषज्ञ भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

भातखंडे ललित कला शिक्षा समिति व रूपक संस्था द्वारा रंग मंदिर में भव्य नाट्य संध्या

‘राजा इडिपस’ : भाग्य और मानवीय अहंकार के संघर्ष की व्यथा देख आंदोलित हुए दर्शक

गांधी चौक स्थित प्रसिद्ध रंग मंदिर सभागार में सोमवार को नाटक राजा इडिपस की भव्य प्रस्तुति हुई। सोफोक्लीज द्वारा रचित विश्व प्रसिद्ध ग्रीक त्रासदी पर आधारित राजा इडिपस की जीवंत मंचीय प्रस्तुति ने दर्शकों को आंदोलित किया। यह नाट्य आयोजन भातखंडे ललित कला शिक्षा समिति व रूपक संस्था की संयुक्त तत्वावधान में किया गया। रंगकर्मी कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से नाटक राजा इडिपस की दुखद कहानी को रंगमंच पर भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। नाटक की कहानी ने दर्शकों को आंदोलित कर दिया।

रायपुर। नाटक में दिखाया गया कि राजा इडिपस अनजाने में अपने ही पिता की हत्या कर देता है और अपनी माता से विवाह कर लेता है। इस नाटक में भाग्य और मानवीय अहंकार के संघर्ष को बड़े प्रभावपूर्ण रूप में दिखाया गया। यह यूनानी नाटककार सोफोक्लीज के लिखित नाटक राजा इडिपस पर आधारित है। शहर के उभरते रंगकर्मियों व वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन में रूपक संस्था के टीम ने एक यादगार और मनोरंजक नाट्य प्रस्तुति को सफल बनाया। नाटक के आयोजक डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि भातखंडे ललित कला शिक्षा समिति व रूपक संस्था की संयुक्त तत्वावधान में समर सीजन शहर के प्रतिभागों को मंच देने के लिए एक नाट्य संस्था का आयोजन किया गया। इसमें ऐतिहासिक नाटक राजा इडिपस की मंचीय प्रस्तुति दी गई। नाटक को दर्शकों का खूब सहयोग मिला। शाम 7 बजे से बड़ी संख्या में दर्शक नाटक देखने रंग मंदिर सभागार में पहुंचे थे। नाटक के प्रस्तुति में पहुंचे नाट्य प्रेमियों के उपस्थित ने कलाकारों में उत्साह का संचार किया।



अभिनय कला की हुई खूब सराहना

नाटक में युवा रंगकर्मी कलाकारों ने नाटक में अपनी जीवंत अभिनय कला को अपने फूंक दिया। नाटक में गौक वेशभूषा, प्रभावशील संवादों और दृश्यों ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। इस तरह नाटक की प्रभावशीली मंचीय प्रस्तुति को देख दर्शक गदगद हो उठे। दर्शकों ने कलाकारों की खूब सराहना की। देर रात तक दर्शक नाटक से बंधे रहे। कलाकारों की अभिनय व संवादों में दर्शक खोए रहे।



प्रतिभा को मिला मंच, उत्साहित हुए कलाकार

इस नाट्य प्रस्तुति में शहर के प्रतिभाशाली रंगकर्मियों को अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला। कलाकार नाट्य प्रस्तुति और दर्शकों से मिले सराहना से उत्साहित दिखे। मंच प्रस्तुति से पूर्व युवा कलाकारों को वरिष्ठ रंगकर्मियों द्वारा अभिनय कला की बारीकियों का प्रशिक्षित किया गया। डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि आगे भी इसी तरह से नाट्य आयोजन किया जाएगा, ताकि शहर के प्रतिभागों को मंच मिलता रहे।



राजा नहीं बदल सका अपना किस्मत

नाटक की कहानी थीब्य राजघराने से शुरू होती है। बच्चे इडिपस की किस्मत में पिता की हत्या और अपनी ही मां से विवाह की भविष्यवाणी होती है। राजा को जब इस बात का पता चलता है तो वह बेटे को राज्य से बाहर भिजवा देता है। दूसरे राज्य में बड़ा होने पर इडिपस को अपने अमिश्राप का पता चलता है, जिसे बदलने की वह पूरी कोशिश करता है। कहानी कई मोड़ से गुजरती हुई इडिपस को उसी मोड़ पर लाकर खड़ा कर देती है, जिससे वह ज़िन्गीभर भागता रहता है। एक बार अनजाने में उसका सामना पिता से होता है और दोनों की लड़ाई हो जाती है। इडिपस के हाथों अपने ही पिता की मौत हो जाती है। इसके बाद इडिपस राजा की विधवा पत्नी से ही विवाह कर लेता है। आगे चलकर जब इडिपस और उसकी मां को सच का पता चलता है तो उसकी मां पांसी लगाकर अपनी जान दे देती है। इडिपस भी अपनी आंखें फोड़ लेता है।

महाराजा अग्रसेन कॉलेज में महिला सशक्तिकरण को लेकर आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

गर्ल्स स्टूडेंट्स और टीचर्स ने सीखे सेल्फ डिफेंस के दांव-पेंच

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में सोमवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आईक्यूएसी एवं मैक सॉलिटियर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। यह मैक सॉलिटियर द्वारा संचालित एक सामाजिक पहल है, जिसे विशेष रूप से ग्रीष्मकालीन अवधि में महिलाओं के सशक्तिकरण और जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आत्मरक्षा के कार्याक्रम के पहलू और बड़ी संख्या में आत्मविश्वास से सशक्त बनाना था, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में स्वयं को सुरक्षित रख सकें। सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पं.



रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रायोगिक रूप से आत्मरक्षा तकनीकों को सीखा। यह सत्र छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक साबित हुआ। कॉलेज प्रबंधन ने कार्यक्रम की सफलता की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शिविर में योग, संस्कार और जीवन कौशल सीखेंगे बच्चे

रायपुर। पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग की ओर से बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 की शुरुआत पतंजलि गैशाला परिसर, कोहका में हुई। 27 मई तक चलने वाले इस शिविर में बच्चों से 12वीं तक के बालक-बालिकाओं को योग, भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह 6 से 9 बजे तक इस शिविर में बच्चों के लिए योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान, गीता एवं रामायण के श्लोक, चौपाइयों का अध्ययन और जीवन में प्रयोग, जीवन कौशल (अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता), संस्कार आधारित खेल एवं योग प्रतियोगिताएं, चित्रकला, भजन, नाटक, वक्तृत्व एवं रचनात्मक गतिविधियां, सेवा कार्य, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसी



गतिविधियां यहां होंगी। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह विशेष थीम के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जाएगा। जिले के सभी जनों का सक्रिय सहयोग रहेगा। कुशवाहा एवं चौरसिया ने खेल-खेल में ज्ञान प्राप्त करने के आसान तरीके बच्चों को बताए। शत्रुघ्न ने गीता के श्लोक का अर्थ सहित जीवन दर्शन प्रदान किया। श्रीनिवास ने इकीगाई (जापानी तकनीक) के माध्यम से जीवन के उद्देश्य एवं भोजन संबंधी जानकारी दी।

टाउनहाल में 15 दिवसीय ओडिसी डांस प्रशिक्षण शिविर

ओडिसी नृत्य में पारंगत हो रहे बच्चे कलागुरु सिखा रहे विविध मुद्राएं



कारनर न्यूज

रायपुर। शहर के टाउनहाल ओडिसी डांस के थाप से गुंजा। सुबह 7.30 बजे से 10.30 बजे तक प्रतिभागी बच्चे कला गुरुओं द्वारा ओडिसी डांस विधा में परांगत हो रहे हैं। इस 15 दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे ओडिसी डांस का प्रशिक्षण लेने पहुंचे। नृत्यश्री धारा छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित इस ओडिशी डांस कार्यशाला में नृत्यगुरु आर्या नंदे द्वारा बच्चों को ओडिसी डांस विधा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आर्या नंदे ने जापान, मलेशिया, सिंगापुर, सऊदी अरब, दुबई सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में 15 दिनों तक



प्रतिभागी बच्चों को अंतरराष्ट्रीय ओडिशी डांस गुरु से डांस प्रशिक्षण का अवसर मिल रहा है। नृत्यगुरु आर्या नंदे ने बताया कि ओडिसी डांस के कलात्मक कलाओं में मुख्य रूप से भगवान कृष्ण



और राधा की भक्ति, प्रेम लीलाओं और आध्यात्मिक भावों पर आधारित नृत्य में त्रिभंग मुद्रा, चलती-फिरती मूर्तिकला, कोमलता, लास्य, तांडव, और जटिल हस्त मुद्राओं का अनूठा मिश्रण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षु बच्चों में डांस को लेकर गजब का दिखा उत्साह

इस ओडिसी डांस प्रशिक्षण कार्यशाला में गुरुओं द्वारा बताए जा रहे विविध डांस मुद्राओं को उत्साह के साथ मंच पर अभ्यास करते बच्चों में गजब का उत्साह दिख रहा है। प्रतिभागी बच्चे ओडिशी डांस के प्रमुख मुद्राओं को विविध थीम पर पारंपरिक वेश-भूषा में प्रस्तुत कर रहे हैं। बच्चे मंच पर गुरु के बताए हुए डांस मुद्राओं को बेहद ही जीवंत तरीके से प्रदर्शित कर रहे हैं। कला गुरु भी प्रतिभागियों में डांस के प्रति लगाव व सीखने की ललक देख अत्यंत उत्साहित हो रहे हैं।

थीम बेस्ड डांस मुद्राओं की शानदार अभ्यास

त्रिभंग मुद्रा में प्रतिभागियों ने ओडिसी की सबसे विशिष्ट मुद्रा, चौक मुद्रा, हस्तमुद्रा से अभिनय चक्रिका और कहानियों को स्पष्ट रूप से दर्शाया। वहीं, मंगलाचरण में नर्तक भगवान जगन्नाथ या अन्य देवताओं को नमन करते हुए अनेक मुद्राओं से मंत्रमुग्ध किया। इसके अलावा बटु नृत्य, पल्लवी, अभिनय, मोक्ष की प्रस्तुति ने मन मोहें।

धर्म लाइव

बौद्ध समाज ने कैंडल रैली निकाल कर दिया शांति और भाईचारे का संदेश



रायपुर। बुद्ध पूर्णिमा और त्रिगुण बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कैंडल रैली निकाली गई। यह आयोजन बौद्ध संघ गुडियारी द्वारा किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में उपासक और उपासिकाएं शामिल हुए और पूरे क्षेत्र में शांति और भाईचारे का संदेश दिया गया। यह कैंडल रैली अशोक नगर स्थित बौद्ध विहार से शुरू हुई। रैली गुडियारी के अलग-अलग रास्तों से होती हुई वापस बौद्ध विहार में आकर समाप्त हुई। रैली के दौरान सभी लोग बहुत अनुशासन में और शांतिपूर्ण तरीके से शामिल हुए, जिससे माहौल बहुत अच्छा बना रहा। रैली में शामिल सभी उपासक और उपासिकाओं ने सफेद वस्त्र पहने हुए थे, जो शांति और सादगी का प्रतीक होता है। सभी के हाथों में जलती हुई कैंडल थी, जिससे ऐसा लग रहा था जैसे अंधेरे में उजाला फैलाया जा रहा हो। यह रैली लोगों को अच्छे विचार और जगहूकता देने का एक माध्यम भी बनी। रैली से पहले बौद्ध विहार में सभी ने मिलकर बौद्ध वंदना की।

प्रसादी में खीर वितरण कर बांटी खुशियां

इसके बाद सभी के लिए खीर वितरण किया गया, जिसे लोगों ने प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। साथ ही, वहां कुछ और छोटे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस पूरे आयोजन को लेकर गुडियारी के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। सभी ने बौद्ध संघ गुडियारी रायपुर के इस अच्छे प्रयास की तारीफ की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में शांति और एकता बढ़ाने में मदद करते हैं। यह कैंडल रैली बहुत सफल रही और इसने लोगों तक भगवान बुद्ध के शांति, प्रेम और करुणा के संदेश को सरल तरीके से पहुंचाने का काम किया।

सिटी लाइव

छत्तीसगढ़ में आर्थिक समृद्धि की अब असीम संभावनाएं



रायपुर। मानवता की सेवा और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण बनना बड़ी बात है। इस उद्देश्य से रायपुर की सेवाभावी संस्था लव फॉर ह्यूमैनिटी नींव द्वारा निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। संस्था इन कार्यों के माध्यम से सरोकार के लिए निवेश कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य कैसर से पीड़ित, किडनी ट्रांसप्लांट, लीवर ट्रांसप्लांट के मरीजों के चिकित्सा सर्जरी और उपचार के साथ नेत्रहीन बालक, बालिकाओं के शिक्षा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए काम किया जा रहा है। इसी क्रम में संस्था द्वारा किए गए एक आयोजन में यह बात निवेश विशेषज्ञ आनंद राठी ने मुख्य वक्ता के रूप में कही। संवाद के दौरान वित्तीय निवेश के तरीके, आर्थिक समृद्धि के रहस्य एवं सुरक्षित भविष्य की योजना पर अपने अनुभव ज्ञान एवं सफल निवेश के सूत्रों का मार्गदर्शन किया।

संभावनाओं पर मुख्य वक्ता ने किया संवाद

संस्था द्वारा विभिन्न आयोजनों जैसे अनुप जलोटा की भजन संध्या, कवि सम्मेलन, काव्योदय जैसे कई कार्यक्रमों को करके जरूरतमंदों की सहायता की जा रही है, इसी उद्देश्य से यह आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ संभावनाओं के गढ़ का रूप ले रहा है। इसके लिए एक बड़ा वर्ग आगे काम कर रहा है। इसमें हर किसी की भागीदारी तय होनी चाहिए। इसलिए आयोजन में निवेश और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को संस्था के अध्यक्ष सुभाष राठी ने संयुक्त रूप से मंच दिया। इसमें राजीव अगवाल अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम, बजरंग गोयल, वेयरमैन सीआईआई, ओपी सिघानिया, वरिष्ठ वित्तीय विशेषज्ञ विशेष रूप से शामिल हुए। इस आयोजन में प्रतिष्ठित व्यावसायिक, इंडस्ट्रियलिस्ट, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट लगभग 400 से 500 की संख्या में शामिल हुए।

विद्यारंभ संस्कार और बोर्ड परीक्षाओं के मेधावी छात्रों का होगा सम्मान



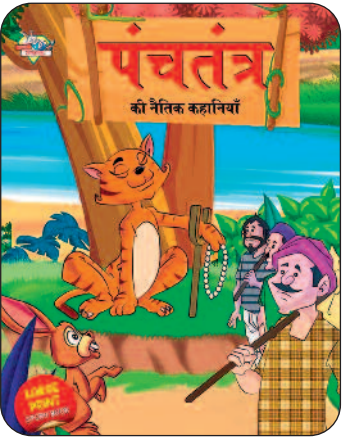
रायपुर। सरयूपारीग बाहमण समाज ने तुलसी मानस भवन में सोमवार को कार्यक्रमों समा और कार्यसमिति की बैठक रखी। डॉ. सुरेश शुक्ला की अध्यक्षता में कार्यसमिति के सदस्य राममूर्त तिवारी, कल्याण प्रसाद पांडे, केसन तिवारी, प्रमोद शर्मा, आचार्य यदुवेश मणि त्रिपाठी, आरपल द्विवेदी, राजेंद्र शर्मा, राजेश त्रिपाठी की उपस्थिति में चर्चा की गई। प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष नर्सरी अथवा केजी कक्षाओं में प्रवेश ले रहे बच्चों के लिए विद्यारंभ संस्कार के आयोजन का निर्णय लिया है। समाज का मानना है कि विद्यारंभ संस्कार सनातन हिंदू संस्कार एवं परंपरा का अहम हिस्सा है, जिससे समाज को परिचित कराया जाना चाहिए। समाज के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री को भी पत्र लिखकर 16 जून से शाला प्रवेश उत्सव की तरह आंगनबाड़ी, बालवाड़ी सहित प्राथमिक शालाओं में विद्यारंभ संस्कार के आयोजन करावे का आग्रह किया है। इस वर्ष कक्षा 5, 8, 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं का सम्मान करने एवं समाज के एक छात्र को 12वीं बोर्ड में उच्चतम अंक प्राप्त छात्रों को भगवान परशुराम सम्मान 5100 रुपये तथा एक छात्र को 5100 रुपये गोस्वामी तुलसीदास सम्मान के रूप में दिया जाएगा।

समर सीजन में कॉमिक्स से मनोरंजक व प्रेरणादायी कहानियां पढ़कर बच्चे सीख रहे संस्कार

चाचा चौधरी, पोकेमॉन, चंपक, कार्टून कैरेक्टर, सुपर हीरोज आज भी बच्चों के फेवरेट, इनकी कहानियां पढ़ हो रहे मोटिवेट

बच्चों की कॉमिक्स बुक में चाचा चौधरी, अमर चित्रकथा, चंपक, अकबर-बीरबल, तेनालीराम, रमन, टिकल और पंचतंत्र की कहानियां आज भी सबसे फेवरेट बनी हुई हैं। वहीं वेस्टर्न में डॉग मैन, स्माइल, बोन और आर्ची कॉमिक्स काफी पसंद की जा रही हैं। इनकी कहानियों को पढ़कर बच्चे अपना मनोरंजन कर रहे हैं, वहीं इन कार्टून कैरेक्टर वाली सुपर हीरोज से वह नैतिक शिक्षा भी ग्रहण कर रहे हैं।

रायपुर। शहर के जयस्तंभ चौक स्थित प्रसिद्ध किताबघर कुशल बुक प्वाइंट के संचालक कुशल पारेक ने बताया कि चाचा चौधरी, अमर चित्रकथा, चंपक, टिकल और पंचतंत्र की कहानियां, वेस्टर्न में डॉग मैन, स्माइल, बोन और आर्ची कॉमिक्स बच्चों के पेरेंट्स समर सीजन में अपने बच्चों के खरीद रहे हैं। उन्होंने बताया की यह कॉमिक्स की किताबें बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ाने में सबसे अधिक सहायक होती है। इन किताबों को पढ़कर वह मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा हासिल करने और शब्द ज्ञान अर्जित करने खूब पढ़ रहे हैं। वहीं रोआल्ड डाहल द्वारा लिखी गई कुछ सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय पुस्तकें में चाली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री को पढ़ना



हिंदी कॉमिक्स में इनकी डिमांड

चाचा चौधरी हिंदी कॉमिक्स में पहले नंबर पर है। इसमें तेज दिमाग वाले चाचा और साबू की मजेदार कहानियां बच्चों को खूब पसंद आ रही हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चंपक है, जो अपने ज्ञानवर्धक कहानियों के लिए बच्चों की बीच काफी लोकप्रिय पत्रिका है। तीसरे नंबर पर अमर चित्रकथा भारतीय पौराणिक कथाओं और इतिहास पर आधारित, जिसे पेरेंट्स अपने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। टिकल, इसमें सुपुंजी, शिकारी शंभू जैसे पसंदीदा पात्र वाली कार्टून कैरेक्टर्स की कॉमिक्स बुक्स बच्चे बड़ी खुशी से पढ़ते हैं। अकबर-बीरबल, तेनालीराम की कॉमिक्स बुक से बच्चे बुद्धिमानों से भरी कहानियां पढ़कर अपनी बौद्धिक विकास कर पा रहे हैं।

डॉग मैन, डायरी ऑफ ए विम्पी किड कॉमिक्स हास्य और रोमांच से भरपूर

बुक प्वाइंट के संचालक ने बताया कि बच्चों की लोकप्रिय अंग्रेजी कॉमिक्स डॉग मैन, स्माइल बच्चों के बीच बहुत प्रसिद्ध है। वहीं बोन नामक कॉमिक्स साहसिक कहानियों का श्रृंखला है, जो बच्चों को हास्य और रोमांच से भर देती है। डायरी ऑफ ए विम्पी किड बच्चों की रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित कहानियां है। सुपर डवीब कार्टून कैरेक्टर्स हीरोज की मजेदार काल्पनिक कहानियां बच्चों को मोटिवेट कर रही हैं। बच्चों के लिए कॉमिक्स पढ़ना उनकी रुचि को बढ़ता है। इसके रंगीन चित्र और कम शब्द बच्चों को आकर्षित करते हैं। साथ ही कॉमिक्स की कहानियों से बच्चों का मनोरंजन भी होता है। इसके अलावा उनकी बौद्धिक क्षमता, कल्पनाशीलता, नैतिक शिक्षा का विकास करने में सबसे प्रभावशाली माध्यम है। अमर चित्रकथा और पंचतंत्र से बच्चे संस्कार सीख रहे हैं।

बच्चों को खूब भा रहा है। रोआल्ड डाहल की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक है, जो विली वोक्का की चॉकलेट फैक्ट्री के बारे में है। इसके अलावा मैटिल्डा नामक पुस्तक एक छोटी बच्ची की कहानी पर आधारित, जो बुद्धिमान है और जादू कर सकती है। रोआल्ड डाहल के बारे में कहा जाता है कि उनकी पुस्तकें बच्चों के लिए बेहतरीन और कल्पनाशील होती हैं। दूसरी किताबों में सुधा मूर्ति की बच्चों के लिए सबसे लोकप्रिय पुस्तकें सरल भाषा, नैतिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जुड़ी हैं। उनकी प्रसिद्ध किताबों में दादी मां की कहानियों का पिटारा, दि मैजिक ऑफ दि लॉस टेम्पल, ये पुस्तकें बच्चों को कहानी के माध्यम से जीवन के मूल्य सिखा रही हैं।

‘विदेशी यात्रा छोड़ें- बस्तर आइए’ की थीम पर आज लाइव कैरिकेचर मेकिंग

कार्टून चॉच पत्रिका द्वारा विश्व कार्टूनिस्ट दिवस के अवसर पर लाइव कैरिकेचर मेकिंग का आयोजन रखा गया है। आज शाम 6 बजे कार्यक्रम रायपुर सिविल लाईंस में नए सॉफ्ट हॉउस के कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया जाएगा। कार्टून चॉच पत्रिका के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के सहयोग से किया जा रहा है। इस वर्ष यह आयोजन सामाजिक संस्था कैक्टस के साथ मिलकर किया जा रहा है। इस वर्ष की प्रतियोगिता का विषय युद्ध के समय विदेशी यात्रा छोड़ें- बस्तर आइए, जहां शांति और हरिजाली है था। इस विषय ने प्रतिभागियों को शांति, धरतल पर्यटन को बढ़ावा देने तथा वैश्विक परिस्थितियों पर रमनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। चुनौतीपूर्ण विषय के बावजूद प्रतियोगिता में देशभर से उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। प्रतिभागियों की कृतियों में मौलिकता, गहराई और सामाजिक सरोकार स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुए, जिससे यह सिद्ध होता है कि कार्टूनिंग आज भी एक प्रभावी अभिव्यक्ति माध्यम है।

मृत्युंजय और रघुपति को प्रथम पुरस्कार

कार्टून प्रतियोगिता के शानदार समापन के साथ ही विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी गई है। इस राज्य और राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के मृत्युंजय और बैंगलूरु के रघुपति श्रींगेरी ने 10,000 रुपये का संयुक्त प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया है। वहीं, द्वितीय पुरस्कार के तहत 7,000 रुपये की संयुक्त राशि बैंगलूरु के बिबेक सेनगुप्ता और केरल के अनूप राधाकृष्णन को दी जाएगी। तृतीय पुरस्कार के रूप में 5,000 रुपये संयुक्त रूप से हैदराबाद के मोहन कुमार और कर्नाटक के शैलेश ने जीते हैं। इसके अलावा 20 अन्य प्रतिभाओं को 1,000 रुपये के विशेष पुरस्कार से नवाजा जाएगा। इन विशेष विजेताओं में रायपुर की आशा सोनी, गिलाई के उज्जवल साहू और राजनांदगांव की शानल साहू के अलावा बॉनू (देहरादून), विनय वानेकर, देवाशीष (ओडिशा), हरि (विशाखापट्टणम), जयराम (एनॉकुलम), कल्लोल मजुमदार (कोलकाता), मधुस (केरल), महेश मालदेव (कर्नाटक), एन. हरि (आंध्र प्रदेश), नागेश्वरी (विजयवाड़ा), नूतापाटी, एस. वी. रमना अरुण, वल्लरी व वरा प्रसाद (सभी हैदराबाद), राकेश रंजन (दिल्ली), राम शेषु (नेल्लोर), तथा वडडेपल्ली एच वैक्कटेश (तेलंगाना) शामिल हैं।

ईश्वर का दर्शन करने का अधिकार है सबको

रायपुर। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम में आयोजित त्रिदिवसीय रामायण श्रृंखला में तीसरे दिन सोमवार को प्रवचन देते हुए रामकृष्ण मठ भुज, गुजरात के अध्यक्ष स्वामी सुखानंद महाराज ने कहा कि भगवान की कथा सुनने से विश्वास होता है, भगवान की कृपा से ही संतों का दर्शन मिलता है। भगवान श्रीराम कहते हैं कि यह शरीर बड़े भाग्य से मिला है, सबको ईश्वर का दर्शन करने का अधिकार है, इसलिए



सबको भगवान को प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भक्तवृंद नाते हैं, जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। हनुमानजी गुरु हैं, उनकी कृपा से भगवान का दर्शन होता है। तुलसीदासजी को श्रीराम का दर्शन हनुमानजी

की कृपा से हुआ। सुग्रीव को भी श्रीराम से भेंट हनुमानजी की कृपा से हुई। हनुमानजी भगवान श्रीराम के बड़े आत्मीय भक्त हैं। उनकी वृष्टि भगवान के चरणों में लगी रहती है, जब किष्किन्धा में श्रीराम से हनुमानजी की भेंट हुई तो उन्होंने भगवान से कहा- कठिन भूमि कोमल पद गामी, कवन हेतु बन बिचरहु स्वामी। और उन्होंने भगवान को कंधों पर बैठा लिया था, ताकि भगवान के पैरों में कोई कांटा, कंकड़ न लगे। मां सीता ने भी हनुमानजी के गुणों से प्रभावित होकर उन्हें ‘अजर, अमर, गुणिनिध सुत होऊ’ का आशीर्वाद दिया था।

भगवान का नाम लेते रहने से मृत्यु के समय दुख नहीं होगा

श्रीराम ने हनुमान जी को उपदेश दिया था कि संसार की सेवा करो और यह भावना रखो कि पूरे संसार में मैं ही हूँ। यही उपदेश श्रीरामकृष्णदेव ने स्वामी विवेकानंद को दिया था शिवभाव से जीव सेवा का। हनुमानजी ऐसे महान गुरु हैं कि जिस जीव को भगवान के पास आने की क्षमता नहीं है तो वे भगवान को ही ले जाकर जीव से मिला देते हैं। उन्होंने श्रीराम को ले जाकर जीव सुग्रीव से मिला दिया। भगवान श्रीरामकृष्ण देव भी जीवों को ज्ञान, भक्ति, प्रशान्ति बांटने के लिए अवतरित हुए थे, जो भक्त भगवान का नाम लेते रहते हैं, उन्हें मृत्यु के समय दुख नहीं होता। बाली के मरते समय भगवान श्रीराम सामने खड़े हैं। उनकी सारी पीड़ा चली जाती है।

रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स

मोटर वाइडिंग किया जाता है

रिंग रोड नं. -1 संतोषी नगर चौक, बोरिया रोड रायपुर (छ.ग.)
9200003357 ★ 7999898750

25 सालो का विश्वास

शीतल कूलर के निर्माता

कूलर हाउस

Sunday Open

इक कूलर, विडों कूलर, फाइबर बोर्डि में

गांधी चौक मंहत कॉलेज नगर निगम चौक, रायपुर
आकाश जैन - 98261-64650, रतन जैन - 98271-29211

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल विजनेस लोन)
एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटावानी फायनेंस
93404-44755

गली नं. 03,
सिंधी कॉलोनी,
तेलीवांवा, रायपुर

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें

मो. 6263818152, 7067183593

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

76 साल की दुनिया की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस, 950 करोड़ की हैं मालकिन

सिनेमा में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने दम पर मुकाम हासिल किया। इन अभिनेत्रियों की कलाओं ने यह साबित किया कि अगर कोशिश की जाए तो कुछ भी हो सकता है। आज हम आपको एक ऐसी ही एक्ट्रेस की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसे कभी बदसूरत कहकर रिजेक्ट कर दिया गया था, आज उनके नाम पर ऑस्कर के सबसे ज्यादा नॉमिनेशंस पाने वाली एक्ट्रेस का रिकॉर्ड दर्ज है। एक ऐसी अदाकारा, जिसने न केवल हॉलीवुड की स्क्रीन पर राज किया, बल्कि राजनीति के सबसे ऊंचे गलियारों को भी अपने बेबाक बयानों से हिला कर रख दिया। आज बात उसी एक्ट्रेस जिसे दुनिया की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस कहा गया और 76 साल की उम्र में भी उनका जलवा कायम है। दरअसल जिस एक्ट्रेस का जिक्र हम कर रहे हैं वो कोई और नहीं .बल्कि हॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप हैं। वही मेरिल स्ट्रीप हैं, जिनकी खूबसूरती के दीवानों की लिस्ट थोड़ी नहीं बहुत ज्यादा लंबी है। न्यू जर्सी की एक साधारण लड़की से दुनिया की सबसे ‘खूबसूरत और पावरफुल’ एक्ट्रेस बनने तक का मेरिल स्ट्रीप का सफर कभी आसान नहीं था।22 जून 1949 को न्यू जर्सी, अमेरिका में हुआ था। उनका असली नाम मैरी लुईस स्ट्रीप है, लेकिन फिल्मी जगत में वह मेरिल स्ट्रीप के नाम से जानी गईं। मेरिल को बचपन से ही कैमरे पर आने का शौक था।

टॉलीवुड

नंदमुरी की फिल्म से कटा नयनतारा का पत्ता, काजल ने किया रिप्लेस

नंदमुरी बालकृष्ण और डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी अब साथ मिलकर एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम फि ल हा ल ए न बी के 111 रखा गया है।



इस फिल्म में नयनतारा को बतौर फीमेल लीड साइन किया गया था, पर अब खबर है कि वह अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह काजल अग्रवाल ने ले ली है। बताया जा रहा है कि काजल ने नंदमुरी बालकृष्ण स्टार इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नयनतारा अब नंदमुरी बालकृष्ण और गोपीचंद की फिल्म NBK111 का हिस्सा हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह किसी और को लिया गया है। काजल अग्रवाल ने नयनतारा को रिप्लेस कर दिया है। फिल्म की टीम के मुताबिक, काजल अग्रवाल इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट हैं और नंदमुरी बालकृष्ण संग उनकी जोड़ी एक नयापन लाएंगी। अब सवाल ये है कि नयनतारा ने नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म क्यों छोड़ी? तो इसकी कुछ वजहें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक तो नयनतारा ने इस फिल्म के लिए करीब 10 करोड़ रुपएफीस मांगी और दूसरा ये कि मेकर्स को नयनतारा की डेट्स मैच करने में दिक्कत हो रही थी। तीसरी वजह यह बताई जा रही है कि नयनतारा किसी भी फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा नहीं लेती हैं। वो किसी फिल्म को प्रमोट नहीं करतीं। इसी कारण मेकर्स को नयनतारा के साथ सामंजस्य बिटाने में मुश्किलें आ रही थीं। इसलिए उन्होंने मूल ऑन करने का फैसला किया। वहीं, काजल अग्रवाल एनकेबी 111 के लिए अपनी डेट्स एडजस्ट करने के लिए मान गई हैं। उनकी फीस भी फिल्म के हिसाब से है और वह प्रमोशन के लिए भी राजी हैं।

भोजपुरी

मृत्युंजय ने ‘धुरंधर 2’ के गाने को भोजपुरी में खूबसूरती से गाया

आदित्य धर की फिल्म ‘धुरंधर 2’ को रिलीज हुए 44 दिन गुजर गए हैं और फिल्म अब भी सिनेमाघरों में कमाल दिखा रही है। ‘धुरंधर’ और ‘धुरंधर 2’ ने जहां अपनी कहानी के लिए तारीफें बटोरी हैं वहीं इन दोनों फिल्मों के गाने की भी खूब वाहवाही हुई है। आज यहां हम लेकर आए हैं ‘धुरंधर 2’ के गानों का भोजपुरी वर्जन, जिसे सुनकर एक पल के लिए आप असली गाने की लाइन ही भूल जाएंगे। भोजपुरी सिनेमा की दुनिया में भी इन दिनों ‘धुरंधर’ का खूब जादू चला है। भोजपुरी गाने के माहिर सिंगर ने हाल ही में ‘धुरंधर 2’ के पॉप्युलर गानों का भोजपुरी वर्जन अपने अंदाज में पेश किया, जिसपर उन्हें खूब तारीफें मिल रही हैं। जहां उनकी आवाज और इस क्रिएटिविटी की लोग तारीफें करते नहीं थक रहे वहीं कुछ ने कहा है कि उनका गाना सुनकर रियल लिरिक्स उनकी यादों से निकल गया है। ‘धुरंधर 2’ में रणवीर सिंह पर फिल्माया गाना ‘जान से गुजरते हैं’ को मृत्युंजय ने भोजपुरी में बड़ी ही खूबसूरती से गाया है। इस रियल गाने की लिरिक्स नुरत फतेह अली खान ही है। खान साब और शाश्वत सचदेव के इस ऑरिजनल गाने की लाइनमें कुछ इस तरह से है- दिल पे जख्म खाते हैं, जान से गुजरते हैं, जुर्म सिर्फ इतना है, तुमको प्यार करते हैं। वहीं मृत्युंजय ने भोजपुरी में इस लाइन को कुछ इस तरह बदला है कि लोग जमकर तारीफें कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं- भोजपुरी अंदाज में आपका सॉन्ग दिल में उतर गया मेरे भाई। एक और ने कहा- काबिले तारीफ है भाई साहब। एक ने कहा- फाइनली मिल गया डब करने वाला। इससे पहले उन्होंने ‘धुरंधर’ का ‘गहरा हुआ’ गाने का भोजपुरी भी सुनाया है। उनके गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब तारीफें दी। एक ने कहा- भोजपुरी भाषा को ऊंचाई देने के लिए दिल से आभार। लोगों ने कहा है- ऐसे ही गायक की भोजपुरी जगत में जरूरत है, बहुत सारा शुभकामनाएं बा भविष्य में।

लैकमे फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने डिजाइनर भूमिका शर्मा के लिए रैंप वॉक करते हुए सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनका लुक इतना दमदार था कि वहां मौजूद लोगों की नजरें उन पर टिक गईं। उन्होंने लाल रंग का बेहद खूबसूरत आउटफिट पहना था। यह लुक पारंपरिक और मॉडर्न स्टाइल का शानदार मेल था। इसमें भारतीय पहनावे की झलक तो थी ही, लेकिन साथ ही एक ऐसा नया टच भी था, जो इसे आज के दौर के लिए बिल्कुल परफेक्ट बनाता है। सबसे खास बात यह रही कि यह लुक ओवरडन नहीं था, बल्कि सादगी के साथ स्टाइल का बैलेंस बनाए हुए था।

लाल लहंगे में तमन्ना ने ढाया कहर



लाइफ स्टाइल

5 ग्राम सोने में बनवाएं ये स्टाइलिश हाथफूल डिजाइन्स, कम बजट में मिलेगा रॉयल लुक

ब्रेसलेट-रिंग वाले खूबसूरत कॉम्बिनेशन को हाथफूल कहा जाता है। पहले शादियों में हैवी डिजाइन वाले हाथफूल नई दुल्हन पहना करती थीं, अब इसका ट्रेंड फिर से लौट आया है। अगर आप हल्के हाथफूल खरीदना चाहती हैं, तो यहां कुछ ट्रेंडी डिजाइन्स देख लें। हाथफूल के ट्रेंडी डिजाइन्स : हाथफूल का ट्रेंड फिर से लौट आया है। ब्रेसलेट और रिंग वाले कॉम्बिनेशन को हाथफूल का नाम दिया गया है और आजकल ये बेहद स्टाइलिश डिजाइन्स में आने लगे हैं। लड़कियां हो या नई दुल्हन हाथफूल की डिजाइन को पहनना पसंद कर रही हैं। अगर आप भी इसे खरीदने का मूड बना रही हैं, तो सिर्फ 5 ग्राम सोने में हाथफूल की बेहद सुंदर डिजाइन बनवा सकती हैं। कम बजट में आपको स्टाइलिश हाथफूल की डिजाइन मिल जाएंगी, जिसे पहनकर आपके हाथों की शोभा बढ़ेगी। फूल वाली डिजाइन : हाथफूल की फूल वाली डिजाइन आप बनवा सकती हैं। इस तरह की डिजाइन बेहद सुंदर और हल्की लागेगी। खास



फंक्शन-पार्टी के लिए इस तरह के हाथफूल का पैटर्न हाथों की सुंदरता में चार चांद लगा देगा। श्री रिंग पर्ल डिजाइन : तीन अंगुठी के साथ मोती वाले हाथफूल के डिजाइन भी सुंदर लगेंगे। इसमें सोने की चैन होगी और स्टोन-मोती से सजावट की जाती है। इस तरह के हाथफूल भी खूबसूरत लुक देंगे। चैन हाथफूल : हल्के हाथफूल चाहिए तो चैन वाले डिजाइन खरीदें। ये डिजाइन काफी हल्की होगी और हाथों पर अच्छी भी लागेगी। कम बजट में स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो ये परफेक्ट है।

भीषण गर्मी में आपको कूल और स्टाइलिश रखेंगे ये फैब्रिक

भीषण गर्मी के मौसम में सही कपड़ों का चुनाव न सिर्फ आपके आराम, बल्कि आपके स्टाइल के लिए भी बेहद जरूरी होता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, ऐसे कपड़ों की मांग बढ़ जाती है जो शरीर को ठंडा रखें, पसीना सोख लें और त्वचा पर मुलायम महसूस हों। 2026 के गर्मियों के ट्रेंड्स में ऐसे ही कुछ खास तरह के कपड़े शामिल हैं, जो आपको ठंडा रखने के साथ-साथ एक स्टाइलिश लुक भी देते हैं। कॉटन फैब्रिक : कॉटन एक ऐसा फैब्रिक है जो हर गर्मी के मौसम में ट्रेंड में रहता है। यह हल्का, हवादार और पसीना सोखने वाला होता है। रोजमर्रा के कपड़ों के लिए यह सबसे आरामदायक विकल्प है।



लिनन फैब्रिक : आजकल लिनन काफी चलन में है, और 2026 तक भी इसकी लोकप्रियता बनी रहने की उम्मीद है। यह जल्दी सूख जाता है और गर्मियों की तेज गर्मी में शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। हालांकि इसमें हल्की सिलवटें पड़ सकती हैं, लेकिन यही तो इसकी शैली का एक हिस्सा है। रेयॉन फैब्रिक : रेयॉन का कपड़ा देखने में स्टाइलिश होता है और छूने में बेहद मुलायम. यह शरीर से चिपकता नहीं है और हवा को आसानी से आने-जाने देता है, जिससे गर्मी का एहसास कम होता है। खादी फैब्रिक : खादी फैब्रिक पारंपरिक भारतीय कपड़ा अब आधुनिक फैशन का हिस्सा बन गया है। खादी न केवल परंपरा के अनुकूल है, बल्कि गर्मियों के मौसम में पहनने के लिए भी आदर्श है।

कार्न न्यूज

गर्मियों में शादी के लिए दुल्हन को हल्के फैब्रिक, पेस्टल कलर आउटफिट, वॉटरप्रूफ मेकअप और लाइटवेट ज्वेलरी चुननी चाहिए। साथ ही हाइड्रेशन और स्किन केयर पर ध्यान देकर वह कंफर्टेबल और खूबसूरत दिख सकती है। गर्मी, पसीना और उमस में दुल्हन का लुक प्रभावित हो सकता है। हालांकि, पहले से ही सही तैयारी की जाए और स्मार्ट फैसले लिए जाएं तो आप गर्मियों में खूबसूरत दुल्हन बन सकती हैं, वो भी सहजता और आराम के साथ। कपड़ों से लेकर मेकअप तक के लिए आपको स्मार्ट चयन करना है।

कपड़ों से लेकर मेकअप तक के लिए आपको करना है स्मार्ट चयन

शादी गर्मियों में है? अपनाएं ये ब्राइडल आउटफिट और मेकअप टिप्स



सही ब्राइडल आउटफिट का चुनाव

गर्मियों में हल्के और बीदेबल फैब्रिक जैसे ऑर्गेजा, शिफॉन और जॉर्जेट चुनें। भारी वेलवेट या मोटे सिल्क से बचें। पेस्टल रंगों जैसे पीच, पिंक, मिंट ग्रीन और लैवेंडर समर वेंडिंग के लिए परफेक्ट होते हैं। ये न सिर्फ ट्रेंडी लगते हैं बल्कि आपको फ्रेश लुक भी देते हैं। मेकअप रखें हल्का और लॉन्ग-लास्टिंग गर्मियों में हेवी मेकअप जल्दी पिघल सकता है, इसलिए वॉटरप्रूफ और मैट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। बेस को लाइट रखें और नेचुरल ग्लो पर फोकस करें। सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे।



ज्वेलरी और हेयरस्टाइल टिप्स

भारी ज्वेलरी की जगह लाइटवेट और एलिगेंट पीसेस चुनें। हेयरस्टाइल में बन या बेडेड स्टाइल रखें ताकि गर्मी कम लगे। ताजे फूलों का इस्तेमाल आपके लुक को और भी खूबसूरत बना सकता है।

गर्मियों में पहनें ऐसे साड़ी, नहीं आएगा पसीना और न लगेगी गर्मी



फैशन

गर्मी का मौसम अक्सर फैशन और आराम के बीच संतुलन बिगाड़ देता है। खासकर साड़ी पहनने वाली महिलाओं के लिए यह एक चुनौती बन सकता है। पर, आपको ये समझने की जरूरत है कि सही फैब्रिक, रंग और ड्रैपिंग स्टाइल चुनकर आप गर्मी के बावजूद साड़ी का लुक और ग्रेस बनाए रख सकती हैं। इन टिप्स की मदद से आप गर्मियों में भी अपने साड़ी लुक को एंजॉय कर सकती हैं। यह टिप्स खासकर उन महिलाओं के लिए हैं, जिन्हें फैशन और आराम दोनों ही पसंद हैं। हल्का फैब्रिक चुनें : गर्मियों में कॉटन, लिनन, खादी जैसी साड़ियां सबसे बेहतरीन विकल्प होती हैं। ये फैब्रिक हवा आने देते हैं, पसीना जल्दी सूख जाता है और आप लंबे समय तक आराम महसूस करती हैं। इसके अलावा ये फैब्रिक हल्के होते हैं, जिससे पूरे दिन साड़ी पहनना आसान रहता है। हल्के और पेस्टल रंग : गर्मी में सफेद, पेस्टल शेड, हल्का पीला, मिंट ग्रीन जैसे रंग पहनना सही रहता है। ये रंग सूरज की गर्मी को कम महसूस कराते हैं और ठंडक का एहसास देते हैं। गहरे और चमकीले रंग गर्मियों में गर्मी बढ़ा सकते हैं। हल्का पल्लू और आसान ड्रेप : पल्लू को ज्यादा लटकाने से बचें। आसान और मैनेज करने योग्य स्टाइल चुनें, जैसे बंगाली ड्रेप, मराठी ड्रेप या सीधा स्टाइल। यह न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक मॉडर्न लुक भी देता है। एक्सेसरीज कम रखें : गर्मियों में भारी गहनों से बचें। हल्की ज्वेलरी, छोटे स्टैंड्स या मिनिमलिस्टिक नेकलेस पहनें। इससे आप स्टाइलिश दिखेंगी और गर्मी में असुविधा नहीं होगी। सही ब्लाउज चुनें : हवा आने वाला और हल्का ब्लाउज चुनें। कॉटन या लिनन ब्लाउज गर्मियों में आरामदेह होता है और पसीने से बचाता है।



पुराने हुए डीप-गोल पैटर्न! अब बनवाएं ये ब्लाउज बैक डिजाइन

सिंपल ब्लाउज का पैटर्न अब पुराना हो चुका है, अब बैक में ट्रेंडी और खूबसूरत कट वाली डिजाइन्स बनने लगी हैं। ये ब्लाउज डिजाइन सिंपल साड़ी पर भी सुंदर लगेंगे और हर कोई आप से टेलर का पता पूछेगा।



ब्लाउज के लेटेस्ट बैक डिजाइन्स : अगर आप अपने ब्लाउज लुक में कुछ नया और स्टाइलिश जोड़ना चाहती हैं, तो अब वक्त है सिंपल पैटर्न से आगे बढ़ने का। आजकल ब्लाउज के फ्रंट से ज्यादा बैक डिजाइन पर फोकस किया जा रहा है, जो पूरे लुक को बेहद आकर्षक बना देता है। खूबसूरत कटिंग, डोरी, लेस और यूनिक शैप्स वाले बैक डिजाइन्स न सिर्फ ट्रेंडी हैं, बल्कि हर साड़ी के साथ आसानी से

स्टाइल भी किए जा सकते हैं। हरे रंग के इस ब्लाउज में प्लीटेड डिजाइन बनी हुई है और बीच में सफेद बटन या मोती लगा सकते हैं। ऊपर की ओर ओवल कट क्लासी लग रही है। ये ब्लाउज ट्रेंडी होने के साथ सुंदर भी है। लीफ बैक डिजाइन : पफ स्लीव्स और लीफ वाली बैक डिजाइन के साथ ये ब्लाउज अच्छा लग रहा है। सिंपल या हेवी स्टाइल वाली साड़ी पर ये ब्लाउज सुंदर

लागेगा। डोरी-मोती ब्लाउज : डोरी लटकन वाले डिजाइन पसंद है, तो इस तरह की डोरी लगवाते हुए मोती लगवाएं। ऐसे ब्लाउज के बैक डिजाइन भी बेहद खूबसूरत लगेंगे। बैक साइड में गोल गले में ये क्लासी लुक देगे। बेल बैक डिजाइन : बैक ब्लाउज में आप बेल स्टाइल भी बनवा सकती हैं। इसमें नीचे से कंधे की ओर बेल बनाएं और बीच में लीफ बनाते जाएं। फिर इसमें मैचिंग बटन या मोती लगवा लें। हॉल्टक-डीप बैक ब्लाउज : हेवी एम्ब्रॉइरी वाले ब्लाउज में आप इस तरह का पैटर्न बनवा सकते हैं। हॉल्टर नेक डिजाइन बनाकर फिर डीप बैक सिलवाएं। ये आपको क्लासी लुक देगा।